कुमार जीवन - 48

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ कुमार जीवन श्रेष्ठ जीवन है, कुमार जीवन में बाप के बन गये ऐसी अपनी श्रेष्ठ तकदीर देख सदा हर्षित रहो और औरों को भी हर्षित रहने की विधि सुनाते रहो। सबसे निर्बन्धन कुमार और कुमारियाँ हैं। कुमार जो चाहें वह अपना भाग्य बना सकते हैं। हिम्मत वाले कुमार हो ना! कमजोर कुमार तो नहीं। कितना भी कोई अपने तरफ आकर्षित करे लेकिन **महावीर आत्मायें एक बाप के सिवाए कहाँ भी आकर्षित नहीं हो सकती। ऐसे बहादुर हो।** कई रूप से माया अपना बनाने का प्रयत्न तो करेगी लेकिन निश्चय बुद्धि विजयी। घबराने वाले नहीं। अच्छा है।

➳ _ ➳ **"वाह मेरी श्रेष्ठ तकदीर"- बस यही सदा स्मृति रखना। हमारे जैसा कोई हो नहीं सकता-यह नशा रखो। जहाँ ईश्वरीय नशा होगा वहाँ माया से परे रहेंगे।**

➳ _ ➳ **सेवा में तो सदा बिजी रहते हो ना! यह भी जरूरी है। जितना सेवा में बिजी रहेंगे उतना सहजयोगी रहेंगे लेकिन याद सहित सेवा हो तो सेफ्टी है। याद नहीं तो सेफ्टी नहीं। (03-12-1984)**

➢➢ पुरुषार्थ के मुख्य बिंदु

➳ _ ➳ स्मृति अर्थात

→ सम्पूरण जागरण की अवस्था

→ सम्पूरण होश की अवस्था

- बेहोशी से कोसों दूर

→ सिर्फ कोई बात याद रखना ही स्मृति नहीं

- बल्कि उस बात को <u>महसूस करना</u> स्मृति है
- उस <u>स्वरुप में स्वयं को टिकाना</u> यथार्थ स्मृति है

➳ _ ➳ सम्पूरण जागृत अवस्था के कुछ उदाहरण

→ उदाहरण 1

- न जाने कितनी बार , बन्धनों में बंधे हैं
- न जाने कितनी बार इस संसार में फंसे हैं और पछताएं हैं
- पर इस बेहद के संन्यास जीवन को अब हाथ से नहीं जाने देना है

→ उदाहरण 2

- फूल को तोड़ देना प्रेम नहीं है
  - उसे वहीँ <u>खिलने देना प्रेम है</u>
- पक्षी को पिजरे में कैद कर लेना प्रेम नहीं है
  - उसे <u>आसमान में स्वतंत्र कर देना प्रेम है</u>

→ उदाहरण 3

- विवाह एक ऐसा बंधन है

  - जहां 2 भिखारी एकत्र होते हैं एक दुसरे को सम्राट बनाने के लिए

➳ _ ➳ रूहाब के साथ सदा रहम को जोड़ा जाता है क्योंकि

→ जहां नशा है वहाँ अहंकार आने की सम्भावना रहती है

- और रहम उस अहंकार को नष्ट कर देता है

➳ _ ➳ ब्रह्मचर्य की शक्ति - विश्व की सर्वश्रेष्ठ शक्ति

→ नीचे अगर बहे तो काम विकार - ऊपर अगर बहे तो ईश्वरीय नशा

- ब्रह्मचारी व्यक्ति किसी भी शेत्र में जाएगा तो असीम सफलता प्राप्त करेगा

  - **ब्रह्मचारी व्यक्ति हर जगह आकर्षण का केंद्र बनता है**